सुविचार- अगर आप दूसरों के बारे में भी सोचते हैं तो आप सच्चे इंसान हैं.

कहानी

सच बोलो, सुरक्षित रहो

एक समय की बात है, एक छोटे से सुंदर गाँव में राजू नाम का एक लड़का रहता था. गाँव चारों तरफ से हरियाली से घिरा हुआ था, खेतों में फसलें लहलहाती थीं, और पास ही एक साफ-सुथरी नदी बहती थी. राजू बहुत ही चंचल और शरारती था. उसे दिन भर खेलना, दोस्तों के साथ मस्ती करना और कभी-कभी लोगों को छेड़ना बहुत पसंद था. हालांकि वह दिल का बुरा नहीं था, लेकिन उसकी एक बहुत बुरी आदत थी—वह अक्सर झूठ बोलता था. बिना किसी कारण के भी वह झूठ बोलकर लोगों को परेशान कर देता था.

राजू के माता-पिता उसे हमेशा समझाते थे कि झूठ बोलना गलत है, लेकिन वह उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेता था. उसे लगता था कि थोड़ा सा मज़ाक करने में क्या बुराई है. एक दिन वह अपने दोस्तों के साथ गाँव के पास वाले जंगल में खेल रहा था. खेलते-खेलते उसके मन में एक शरारत सूझी. उसने अचानक जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया, 'बचाओ! बचाओ! शेर आ गया!' उसकी आवाज़ सुनकर गाँव के लोग घबरा गए और लाठियाँ लेकर दौड़ते हुए जंगल की ओर आए. जब वे वहाँ पहुँचे, तो उन्होंने देखा कि कोई शेर नहीं था और राजू अपने दोस्तों के साथ हँस रहा था. यह देखकर सभी लोग बहुत नाराज़ हुए. उन्होंने राजू को डाँटा और कहा कि इस तरह झूठ बोलना ठीक नहीं है. राजू ने सिर हिलाकर हाँ तो कर दिया, लेकिन उसने अपनी आदत नहीं बदली .कुछ दिनों बाद उसने फिर वही हरकत की. इस बार भी वह चिल्लाया, 'बचाओ! शेर आ गया!' गाँव वाले फिर से सब कुछ छोड़कर उसकी मदद के लिए दौड़े. लेकिन इस बार भी वही हुआ—कोई शेर नहीं था. अब तो गाँव वाले बहुत गुस्सा हो गए. उन्होंने सख्ती से कहा, 'राजू, अगर तुम ऐसे ही झूठ बोलते रहे, तो एक दिन जब सच में तुम्हें मदद की जरूरत होगी, तब कोई तुम्हारी बात पर विश्वास नहीं करेगा.' राजू ने उनकी बात सुनी, लेकिन उसे फिर भी अपनी गलती का अहसास नहीं हुआ.

समय बीतता गया. एक दिन राजू अकेला ही जंगल के किनारे बकरियाँ चरा रहा था. चारों तरफ शांति थी, लेकिन अचानक झाड़ियों में कुछ हलचल हुई. राजू ने ध्यान से देखा तो उसका दिल डर से कांप उठा—इस बार सच में एक बड़ा शेर वहाँ था! शेर धीरे-धीरे उसकी तरफ बढ़ रहा था. राजू घबरा गया और पूरी ताकत से चिल्लाने लगा, 'बचाओ! बचाओ! शेर आ गया! कोई तो मेरी मदद करो!'

लेकिन इस बार गाँव में किसी ने उसकी आवाज़ पर ध्यान नहीं दिया. सबको लगा कि वह फिर से मज़ाक कर रहा है. राजू बार-बार चिल्लाता रहा, लेकिन कोई नहीं आया. शेर अब बहुत पास आ चुका था. राजू की आँखों में आँसू आ गए. उसे अपनी गलती का एहसास हुआ. उसने मन ही मन सोचा, 'काश मैंने पहले झूठ न बोला होता, तो आज लोग मेरी बात पर विश्वास करते.' उसी समय, गाँव का एक बुजुर्ग आदमी वहाँ से गुजर रहा था. उसने राजू की सच्ची घबराहट को समझ लिया और तुरंत गाँव की ओर दौड़ा. उसने गाँव वालों को बताया कि इस बार राजू सच बोल रहा है. यह सुनकर सभी लोग तुरंत जंगल की ओर भागे. जब वे वहाँ पहुँचे, तो उन्होंने सच में शेर को देखा. सबने मिलकर शोर मचाया और लाठियाँ हिलाईं, जिससे शेर डरकर भाग गया. राजू अब सुरक्षित था, लेकिन वह अंदर से बहुत डर गया था. उसने गाँव वालों के सामने हाथ जोड़कर माफी माँगी और कहा, 'मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई. मैंने बार-बार झूठ बोलकर आपका विश्वास तोड़ दिया. आज अगर आप लोग समय पर नहीं आते, तो मेरे साथ बहुत बुरा हो सकता था. मैं वादा करता हूँ कि अब कभी झूठ नहीं बोलूँगा.' गाँव वालों ने उसे माफ कर दिया, लेकिन साथ ही उसे यह भी समझाया कि विश्वास बहुत कीमती होता है. एक बार टूट जाए, तो उसे दोबारा जीतना बहुत मुश्किल होता है. राजू ने इस बात को दिल से समझ लिया.

उस दिन के बाद राजू पूरी तरह बदल गया. वह हमेशा सच बोलने लगा और सभी की मदद करने लगा. धीरे-धीरे गाँव वालों का विश्वास भी उस पर वापस आ गया. अब लोग उसे पसंद करने लगे थे और उसकी तारीफ करते थे.

सीख

हमें कभी भी झूठ नहीं बोलना चाहिए, क्योंकि झूठ बोलने से लोगों का विश्वास टूट जाता है. सच बोलने से ही हम दूसरों का भरोसा जीत सकते हैं और मुसीबत के समय उनकी मदद पा सकते हैं.

अंतर ढूंढो

नीचे दिये गये दोनों चित्र देखने में समान हैं लेकिन उनमें कुछ अंतर हैं जिन्हें आप ढूंढकर निकालें.

उत्तर:- 1. लड़की के पीछे रखी पीली किताब, 2. लाइट की बटन, 3. दीवार पर लगा पेंट, 4. नीचे रखा हुआ ब्रश, 5. पेंट के डब्बे में रखा ब्रुश, 6. नीचे रखा कपरा टेबल की दिशा अलग, 6. लड़की के फ्राक की डिजाइन.

कविता

समय का महत्व

समय कभी लौटकर
आता नहीं,
जो बीत गया वो पाता
नहीं.
हर पल इसका
उपयोग करो,
इसे कभी भी गंवाओ नहीं.
मेहनत से ही
सफलता मिले,
आलस कभी अपनाओ
नहीं.
जो समय की कीमत
जाने,
वही जीवन में आगे बढ़े.

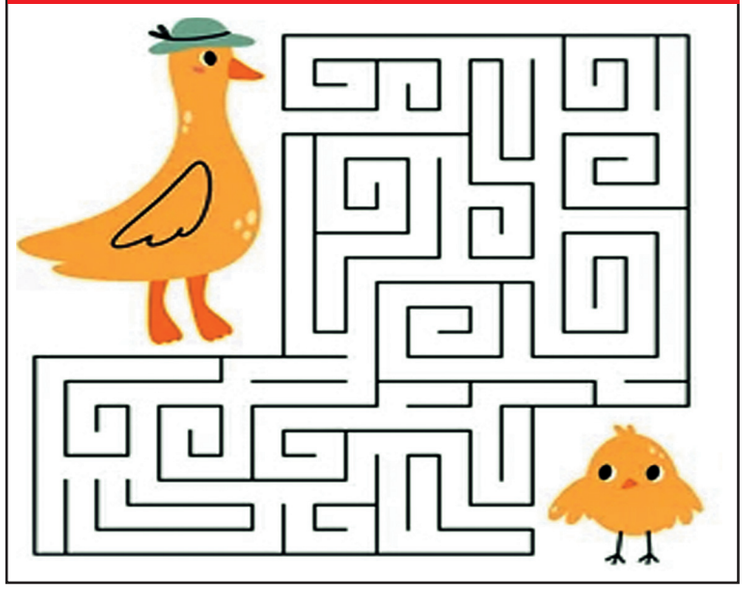

भूल भुलैया

रंग भरो

बिंदु मिलाओ

प्रेरक प्रसंग

युवा क्रांतिकारी खुदीराम

खुदीराम बोस भारत के सबसे युवा और प्रेरणादायक क्रांतिकारियों में से एक थे. उनका जन्म 3 दिसंबर 1889 को मिदनापुर में हुआ. बचपन से ही उनके अंदर देशभक्ति की भावना थी और अंग्रेजों के अत्याचारों ने उनके मन में आज़ादी की ज्वाला जगा दी.

खुदीराम बोस कम उम्र में ही अनुशीलन समिति से जुड़ गए. वे लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए देशभक्ति के पर्चे बाँटते थे और अंग्रेजों के खिलाफ विरोध करने के लिए युवाओं को प्रेरित करते थे. उनका सबसे महत्वपूर्ण और साहसिक कार्य 1908 में हुआ, जब उन्होंने अंग्रेज जज डगलस हॉलिन्सहेड किंग्सफोर्ड को सज़ा देने के उद्देश्य से बम फेंका. यह कदम अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ एक बड़ा संदेश था, भले ही वह प्रयास सफल नहीं हुआ.

इस घटना के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. उस समय उनकी उम्र सिर्फ 18 साल थी, लेकिन उन्होंने बिना डरे अपने कृत्य को स्वीकार किया. 11 अगस्त 1908 को उन्हें फांसी दी गई. कहा जाता है कि वे हँसते हुए और 'वंदे मातरम्' का नारा लगाते हुए फांसी पर चढ़े. उनका यह साहस पूरे देश के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया.

खुदीराम बोस ने भले ही कोई किताब न लिखी हो, लेकिन उनके कर्म ही उनकी सबसे बड़ी पहचान हैं. उन्होंने यह साबित किया कि देश के लिए कुछ करने के लिए उम्र नहीं, बल्कि हिम्मत और जुनून चाहिए. खुदीराम बोस का जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची देशभक्ति में साहस और त्याग जरूरी है. हमें उनके जैसे निडर और समर्पित बनकर अपने देश के लिए अच्छा काम करना चाहिए.

मणिपुर के बारे में रोचक तथ्य

- मणिपुर को 'पूर्व का आभूषण' कहा जाता है.
- यहाँ का प्रसिद्ध लोकनृत्य रासलीला बहुत सुंदर माना जाता है.
- मणिपुर में दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान है लोकटक झील का कीबुल लामजाओ नेशनल पार्क
- यहाँ की लोकटक झील उत्तर-पूर्व भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है.
- मणिपुर भारत का एक प्रमुख खेल राज्य है, खासकर बॉक्सिंग और फुटबॉल में.

- प्रसिद्ध बॉक्सर एम. सी. मैरी कॉम मणिपुर से हैं.
- यहाँ के लोग अपने पारंपरिक नृत्य और संगीत के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं.
- मणिपुर में कई जगहों पर घर लकड़ी और बांस से बनाए जाते हैं.

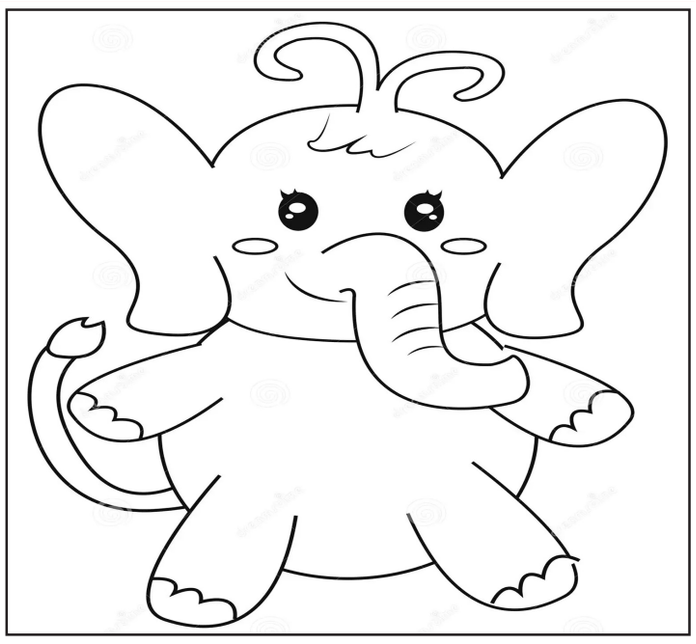

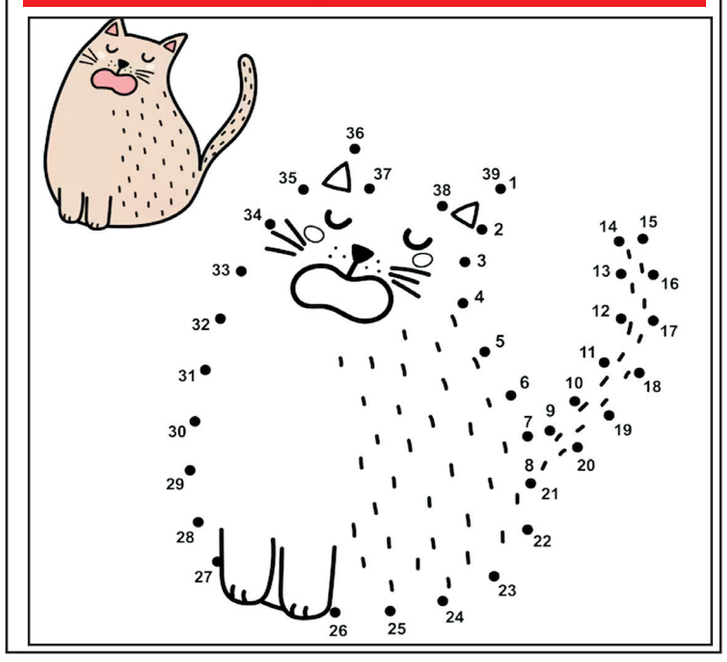

जानकारी

डिजिटल दुनिया का अपराध

साइबर क्राइम आज के डिजिटल युग की एक गंभीर समस्या बन चुका है. जब कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट या किसी डिजिटल तकनीक का गलत इस्तेमाल करके अपराध किया जाता है, उसे साइबर क्राइम कहा जाता है. जैसे-जैसे तकनीक बढ़ रही है, वैसे-वैसे साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं.

आज लोग लगभग हर काम के लिए इंटरनेट का उपयोग करते हैं—पढ़ाई, बैंकिंग, खरीदारी, सोशल मीडिया और यहां तक कि सरकारी काम भी. इसी वजह से साइबर अपराधियों को लोगों को धोखा देने के नए-नए तरीके मिल गए हैं. साइबर क्राइम के कई प्रकार होते हैं, जैसे हैकिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, पहचान की चोरी, वायरस फैलाना और सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाना.

हैकिंग में किसी व्यक्ति के कंप्यूटर या मोबाइल में बिना अनुमति के घुसकर उसकी जानकारी चुरा ली जाती है. इसमें बैंक डिटेल्स, पासवर्ड और निजी फोटो तक चोरी हो सकते हैं. फिशिंग एक बहुत आम तरीका है, जिसमें अपराधी नकली ईमेल या मैसेज भेजकर लोगों से उनकी निजी जानकारी मांगते हैं, जैसे बैंक अकाउंट नंबर या वन-टाइम पासवर्ड . कई लोग धोखे में आकर अपनी जानकारी दे देते हैं और नुकसान उठाते हैं.

ऑलाइन फ्रॉड भी बहुत तेजी से बढ़ रहा है. इसमें लोगों को लॉटरी जीतने, सस्ता सामान मिलने या नौकरी देने का झांसा देकर पैसे ठग लिए जाते हैं. सोशल मीडिया पर भी साइबर क्राइम होता है, जहां किसी का फर्जी अकाउंट बनाकर उसकी बदनामी की जाती है या गलत जानकारी फैलाई जाती है.

साइबर क्राइम से बचने के लिए हमें बहुत सावधान रहना चाहिए. सबसे पहले, हमें अपने पासवर्ड मजबूत रखने चाहिए और उन्हें किसी के साथ साझा नहीं करना चाहिए. अज्ञात लिंक या ईमेल पर कभी क्लिक नहीं करना चाहिए. किसी भी अनजान व्यक्ति को अपनी बैंक जानकारी यावन-टाइम पासवर्ड नहीं देना चाहिए. सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी सीमित रखनी चाहिए.

इसके अलावा, समय-समय पर अपने मोबाइल और कंप्यूटर में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर अपडेट करना भी जरूरी है. अगर किसी के साथ साइबर क्राइम हो जाए, तो तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन या पुलिस को सूचना देनी चाहिए ताकि समय रहते कार्रवाई हो सके.

बूझो तो जानें

- मेरा नाम पाँच अक्षरों का है, मैं सुबह आती हूँ और रात में जाती हूँ. बताओ मैं कौन हूँ?
  उत्तर: सूरज
- सबको मैं देता हूँ खुशियाँ, मेरे बिना सब कुछ सूना है. बताओ मैं कौन हूँ?
  उत्तर: पानी
- मैं न जमीन हूँ, न आसमान, फिर भी ऊपर से नीचे उतरता हूँ बिना थकान.
  उत्तर: बारिश
- मैं सफेद हूँ, मीठा हूँ, सब बच्चे मुझे बहुत पसंद करते हैं.
  उत्तर: दूध
- मैं चलता हूँ बिना पैरों के, बोलता हूँ बिना मुँह के.
  उत्तर: घड़ी
- मेरा रंग हरा है, मैं खेतों में रहता हूँ, मुझे काटो तो स्वाद आता है.
  उत्तर: गेहूँ
- दिन में सोता हूँ, रात में जागता हूँ, अंधेरे में चमकता हूँ, और आसमान में रहता हूँ.
  उत्तर: तारा
- मैं चलता हूँ बिना पाँव के, पीला हूँ और गर्मी लाता हूँ.
  उत्तर: सूरज की रोशनी

हंसी-ठिठोली

- पप्पू डॉक्टर के पास गया.
  डॉक्टर: 'क्यों आए हो?'
  पप्पू: 'डॉक्टर साहब, मैं भूलने लगा हूँ.'
  डॉक्टर: 'कब से?'
  पप्पू: 'कब से क्या?'
- टीचर: 'तुम्हारे घर में बिजली कैसे आती है?'
  बच्चा: 'सर, सॉकेट से.' टीचर: 'और?'
  बच्चा: 'बस यही और क्या?'
- मम्मी: 'अगर तुम अच्छे बच्चे बनोगे तो तुम्हें चॉकलेट दूँगी.'
  बच्चा: 'अगर मैं बुरा बच्चा बनूँ तो?'
  मम्मी: 'तो तुम्हें वही मिलेगा जो बुरे बच्चे को मिलता है... मार!'
- पप्पू: 'टीचर, मैं स्कूल क्यों आता हूँ?'
  टीचर: 'ताकि तुम पढ़ सको.'
  पप्पू: 'अगर मैं पढ़ना ही नहीं चाहता तो?'
  टीचर: 'तो घर बैठो, पर पढ़ाई होगी!'
- बच्चा अपने दोस्त से: 'मुझे पता है मैं सुपरहीरो हूँ.'
  दोस्त: 'कैसे?'
  बच्चा: 'क्योंकि मम्मी कहती है, 'तुम अपने कमरे की चीजें तुरंत गायब कर देते हो.''
- बबलू डॉक्टर के पास गया.
  डॉक्टर: 'तुम्हें किस चीज़ से एलर्जी है?'
  बबलू: 'होमवर्क से!'

बच्चों अपनी कहानियां, कविताएं, पेंटिंग्स , लेख, रचनाएं आदि bhopalnav@gmail.com **पर मेल करें .**